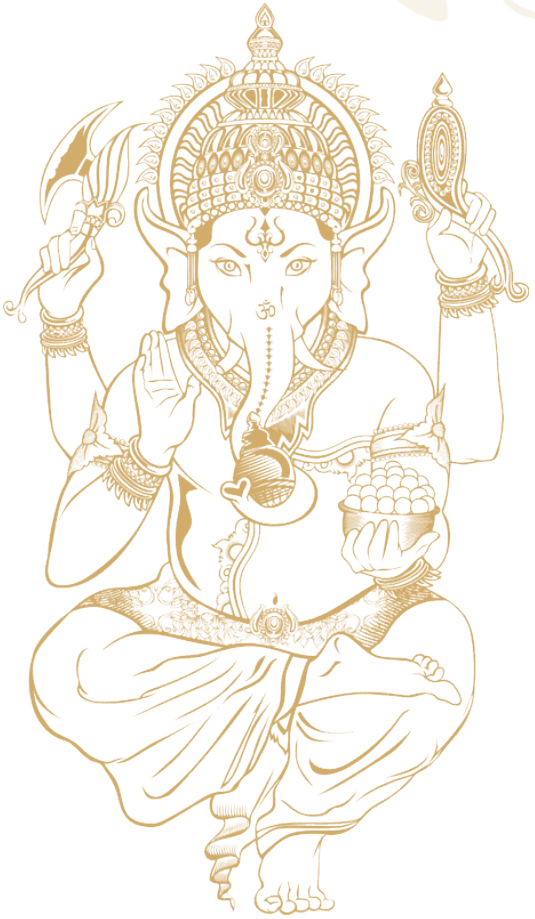

Ganesh

29 Jan 1998

10:30 AM

Hoshangabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120952105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/01/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	08:45:37 घटी
स्थान	**Hoshangabad**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:44:00 उत्तर
रेखांश	77:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:11:00 घंटे
वेलान्तर	-00:13:06 घंटे
साम्पातिक काल	18:44:00 घंटे
सूर्योदय	06:59:45 घंटे
सूर्यास्त	18:04:39 घंटे
दिनमान	11:04:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:15:02 मकर
लग्न के अंश	20:44:24 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:44:24	472:56:27	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			मक	15:15:02	01:00:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	28:10:13	14:35:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	09:10:47	00:47:18	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध			धनु	29:20:24	01:31:02	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	04:42:00	00:14:02	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र	व		धनु	25:50:44	00:18:46	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	21:23:55	00:04:27	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	16:55:36	00:02:00	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	16:55:36	00:02:00	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	14:53:48	00:03:30	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	06:10:27	00:02:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:45:11	00:01:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	16:16:46	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:45

लग्न-चलित

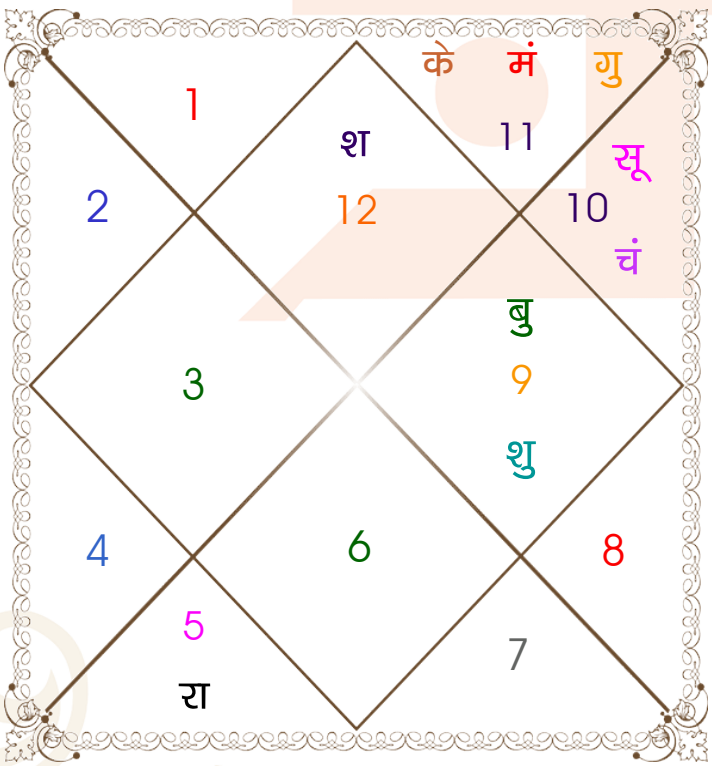

चन्द्र कुंडली

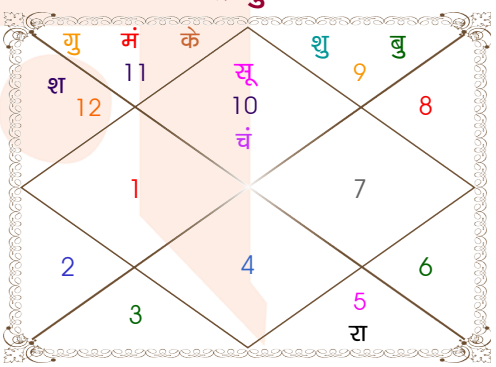

नवमांश कुंडली

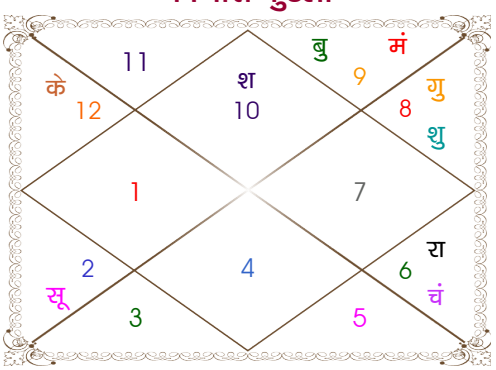

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 5 मास 16 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/01/1998		16/07/2002		16/07/2020		16/07/2036		16/07/2055	
16/07/2002		16/07/2020		16/07/2036		16/07/2055		16/07/2072	
	00/00/0000	राहु	28/03/2005	गुरु	03/09/2022	शनि	19/07/2039	बुध	12/12/2057
	00/00/0000	गुरु	22/08/2007	शनि	16/03/2025	बुध	29/03/2042	केतु	09/12/2058
	29/01/1998	शनि	28/06/2010	बुध	22/06/2027	केतु	07/05/2043	शुक्र	09/10/2061
शनि	15/01/1999	बुध	14/01/2013	केतु	28/05/2028	शुक्र	07/07/2046	सूर्य	16/08/2062
बुध	12/01/2000	केतु	02/02/2014	शुक्र	27/01/2031	सूर्य	19/06/2047	चंद्र	15/01/2064
केतु	09/06/2000	शुक्र	02/02/2017	सूर्य	15/11/2031	चंद्र	17/01/2049	मंगल	11/01/2065
शुक्र	09/08/2001	सूर्य	27/12/2017	चंद्र	16/03/2033	मंगल	26/02/2050	राहु	01/08/2067
सूर्य	15/12/2001	चंद्र	28/06/2019	मंगल	20/02/2034	राहु	02/01/2053	गुरु	06/11/2069
चंद्र	16/07/2002	मंगल	16/07/2020	राहु	16/07/2036	गुरु	16/07/2055	शनि	16/07/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/07/2072		16/07/2079		16/07/2099		17/07/2105		17/07/2115	
16/07/2079		16/07/2099		17/07/2105		17/07/2115		00/00/0000	
केतु	12/12/2072	शुक्र	15/11/2082	सूर्य	03/11/2099	चंद्र	17/05/2106	मंगल	14/12/2115
शुक्र	11/02/2074	सूर्य	15/11/2083	चंद्र	05/05/2100	मंगल	16/12/2106	राहु	31/12/2116
सूर्य	19/06/2074	चंद्र	16/07/2085	मंगल	09/09/2100	राहु	16/06/2108	गुरु	07/12/2117
चंद्र	18/01/2075	मंगल	15/09/2086	राहु	04/08/2101	गुरु	16/10/2109	शनि	30/01/2118
मंगल	16/06/2075	राहु	15/09/2089	गुरु	23/05/2102	शनि	18/05/2111		00/00/0000
राहु	03/07/2076	गुरु	16/05/2092	शनि	05/05/2103	बुध	16/10/2112		00/00/0000
गुरु	09/06/2077	शनि	16/07/2095	बुध	11/03/2104	केतु	17/05/2113		00/00/0000
शनि	19/07/2078	बुध	16/05/2098	केतु	17/07/2104	शुक्र	16/01/2115		00/00/0000
बुध	16/07/2079	केतु	16/07/2099	शुक्र	17/07/2105	सूर्य	17/07/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 5 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।